राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 276 | जौनपुर | सोमवार, 26 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

एआई की भूमिका और उपयोगों के प्रति किया जागरूक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,26 मई । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में स्थापित आई ट्रिपल ई (प्स्म्) स्टूडेंट ब्रांच द्वारा वेब डेवलपमेंट पर एक दिवसीय स्किल डेवलपमेंट सेशन का आयोजन रविवार शाम को किया गया। यह स्टूडेंट ब्रांच विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह के मार्गदर्शन में अप्रैल 2025 में स्थापित की गई थी। इसका उद्देश्य छात्रों को वैश्विक तकनीकी मंच से जोड़ते हुए उनके तकनीकी और व्यावसायिक कौशल का विकास करना है। कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा और संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल की देखरेख में हुआ। ब्रांच काउंसलर की भूमिका डॉ. दिव्येंदु मिश्र निभा रहे हैं। इस सेशन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को वेब डेवलपमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की।

संक्षिप्त समाचार

चार राज्यों की पांचों विधान सभा सीटों पर 19 जून को होंगे उपचुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने गुजरात की दो और केरल , पंजाब और पश्चिम बंगाल की एक–एक विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव 19 जून को कराने की रविवार को घोषणा की। आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार गुजरात विधानसभा की कादी (अनुसूचित जाति) और विसावदार , केरल की निलम्बूर , पंजाब की लुधियाना (पश्चिम) और पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की अधिसूचना सोमवार 26 मई को जारी की जाएगी। इन उपचुनावों के लिए नामांकन दो जून तक भरे जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच तीन जून को की जाएगी और नामांकन पांच जून तक वापस लिए जा सकेंगे। इन सीटों पर मतदान 19 जून को कराया जाएगा और मतगणना 23 जून को करायी जाएगी। आयोग ने कहा है कि इन रिक्त पड़ी सीटों के उपचुनाव की पूरी प्रक्रिया 25 जून तक सम्पन्न हो जाएगी। उपचुनाव की घोषणा के साथ वहां आदर्श चुनाव संहिता लागू कर दी गयी है। ये सीटें निर्वाचित प्रतिनिधियों के निधन या इस्तीफे के कारण रिक्त है।

सीएम रेखा ने नीति आयोग के समक्ष दिल्ली को विकसित बनाने का रोडमेप प्रस्तुत किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को नीति आयोग के सामने विकसित दिल्ली का रोडमैप प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यमुना की सफाई, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और हर घर नल से जल हमारी प्राथमिकता है। सीएम रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि इस मसले पर वह दिल्ली सरकार के साथ हैं। उन्होंने दिल्ली में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए पूरा सहयोग करने के आश्वासन के लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की दसवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में दिल्ली की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने इसी रोडमैप पर दिल्ली का एक विस्तृत विजन पेश किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए कहा, श्प्रधानमंत्री जी, मैं देश की आधी आबादी, सभी महिलाओं की ओर से आपको प्रणाम करती हूं, साधुवाद देती हूं कि आपने देश की हर बहन के सम्मान की रक्षा की। जब पहलगाम में बहनों का सुहाग उजाड़ा गया, तब उसका कड़ा जवाब देश की सेनाओं के माध्यम से आपने दिया। आपने भारतीय नारी के स्वाभिमान की रक्षा की। रेखा गुप्ता ने कहा कि देश की राजधानी होने के नाते हमारी जिम्मेदारी बड़ी है। दिल्ली में सम्पूर्ण भारत के हर राज्य से लाखों लोग बसे हैं। उन सभी परिवारों को बेहतर सुविधाएं देना हमारा दायित्व है। एक भारत–श्रेष्ठ भारत को चरितार्थ करते हुए हमने दिल्ली में हर राज्य का दिवस उत्सव मनाने का आयोजन शुरू किया। अब हमें केंद्र के साथ–साथ सीमावर्ती राज्य हरियाणा, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश से ज्यादा सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पवित्र यमुना के तट पर बसी दिल्ली एक ऐसी नगरी है जिसे इतिहास ने सजाया, संस्कृति ने संवारा। अब हम सब मिलकर इसके भविष्य का गौरव बनाने निकले हैं। पीएम मोदी का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि आपके द्वारा दिया मंत्र, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास यह केवल नारा नहीं, यह भारत माता की पुकार है। इसी दिशा–निर्देश के साथ दिल्ली सरकार हर नागरिक को समान अवसर, गरिमापूर्ण जीवन और सुगम जीवन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे प्रधानमंत्री मोदी, कई परियोजनाओं की देंगे सौगात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 और 27 मई को गुजरात का दौरा करेंगे। जहां वह दाहोद में करीब 24,000 करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, भुज में 53,400 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी 26 मई को सुबह लगभग 11:15 बजे दाहोद में बने भारतीय रेल के लोकोमोटिव मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन करेंगे और वहां बने पहले इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव को हरी झंडी दिखाएंगे।

यह प्लांट 9000 हॉर्सपावर के इलेक्ट्रिक इंजन बनाएगा, जो देश में इस्तेमाल होने के साथ–साथ निर्यात भी किए जाएंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री लगभग 24,000 करोड़ की लागत वाले कई विकास कार्यों की आधारशिला रखेंगे और कुछ का उद्घाटन करेंगे। इनमें रेल परियोजनाएं और गुजरात सरकार की कई योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वेरावल–अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस और वलसाड–दाहोद एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। साथ ही कटोसन–कलोल गेज परिवर्तन कार्य का उद्घाटन और उस पर मालगाड़ी की शुरुआत भी करेंगे। दाहोद के बाद प्रधानमंत्री भुज जाएंगे और शाम करीब 4 बजे भुज में 53,400 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। वे यहां एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे।

पहलगाम, पुंछ का दौरा करने वाले राहुल गांधी एकमात्र राष्ट्रीय नेता – पवन खेड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले के दौरे और पाकिस्तान की ओर से हाल ही में सीमा पार से की गई गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए सराहना की। जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था, तब राहुल गांधी एकमात्र राष्ट्रीय नेता थे जो वहां गए। उन्होंने अस्पतालों का दौरा किया, विभिन्न नागरिक समाज समूहों से मुलाकात की और प्रभावित नागरिकों का हालचाल जाना।

अब फिर से पुंछ में, जहां गोलाबारी के कारण निर्दोष नागरिकों की जान चली गई, जबकि उनकी कोई गलती नहीं थी, राहुल गांधी ने एकजुटता व्यक्त करने और उनका दर्द समझने के लिए उनसे मुलाकात की। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पुंछ सेक्टर में पाकिस्तान की तरफ से गोलाबारी बढ़ गई थी।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूरश के तहत 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के प्रतिशोध में किया गया था। जिसमें आतंकवादियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। खेड़ा ने जोर दिया कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कार्यों से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, ष्चाहे मणिपुर हो, पुंछ हो या पहलगाम – जहां भी नागरिक संकट का सामना करते हैं, राजनीतिक नेतृत्व को सहायता प्रदान करने और उनके घावों को भरने में मदद करने के लिए आगे आना चाहिए।

नीति आयोग की बैठक के बाद सीएम धामी सक्रिय

देहरादून, एजेंसी। दिल्ली में शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाग लिया और राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी। बैठक के उपरांत मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को स्पष्ट निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बैठक में राज्यों को जो मार्गदर्शन एवं निर्देश दिए गए हैं, उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर पर ठोस, व्यावहारिक और स्पष्ट रणनीति बनाई जाए। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रस्तुत विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने में उत्तराखंड सरकार पूर्ण निष्ठा से सहभागी बनेगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस दिशा में केंद्र सरकार के साथ समन्वय बनाकर योजनाओं और नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाना आवश्यक है। मुख्य सचिव को निर्देशित किया गया कि वह सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करें और एक समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करें। इसके साथ ही उस योजना की सतत मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जाए ताकि प्रगति का मूल्यांकन नियमित रूप से हो सके। मुख्यमंत्री धामी ने यह भी कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए और शासन–प्रशासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में पूरी तरह से समर्पित है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यह भी रेखांकित किया कि उत्तराखंड केंद्र सरकार के लक्ष्यों के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है और देश की परिवर्तन यात्रा में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

90 मीटर का तिरंगा थाम भारतीय सेना के सम्मान में निकाली यात्रा

ग्वालियर, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा मध्यप्रदेश के ग्वालियर में श्जन सहयोग जन कल्याण बहुद्देशीय समितिश की ओर से निकाली गई। वहीं दूसरी तरफ पंजाब के पठानकोट में महिलाओं ने ऑपरेशन सिंदूर शौर्य यात्रा निकाली। भारतीय सेना के सम्मान में ग्वालियर में स्टेट बैंक चौराहा तानसेन रोड से हाजीरा तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में करीब 200 लोग शामिल हुए जिसमें महिलाएं, पुरुष और छात्रों ने शिरकत की।तिरंगा यात्रा में 90 मीटर तिरंगा झंडा लेकर सभी श्भारतीय सेना जिंदाबादश, श्वंदे मातरमश, श्भारत माता की जयश, से ओत–प्रोत नारों के साथ चल रहे थे। हाजीरा चौराहा पर तिरंगा यात्रा समापन पर पहलगाम में शहीद हुए 26 नागरिकों के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। समिति अध्यक्ष उमेश सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने जब जब भारत पर संकट आया तब तब अपनी जान की परवाह किए बिना भारत का स्वाभिमान बचाया। यात्रा में महिला अध्यक्ष शशि सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। वहीं, पंजाब के पठानकोट में महिलाओं ने श्ऑपरेशन सिंदूर शौर्य यात्राश निकाली। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स ने हिस्सा लिया। भारत माता की जय, भारतीय सेना जिंदाबाद और नारी शक्ति जिंदाबाद के नारों से गूंजती यह यात्रा चिल्ड्रन पार्क से शुरू होकर विभिन्न बाजारों से होते हुए लौटी। यहां भी जोश और जुनून में कोई कमी नहीं थी। भारत माता के जयकारे के साथ लोग आगे बढ़े। यात्रा में सेना की महिला कैप्टन रुचा विशेष तौर पर शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने महिलाओं को संबोधित किया और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के साथ डटे रहने के लिए आभार भी जताया।

हमें ये सब चीजें न अच्छी लगती है और न ही बर्दाश्त है - तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू यादव के तेज प्रताप को पार्टी से निकाले जाने पर तेजस्वी यादव की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें ये सब अच्छा नहीं लगता है, न हम इसे बर्दाश्त करते हैं। मेरे बड़े भाई की बात है, तो राजनीतिक और निजी जीवन अलग होता है। निजी जीवन के निर्णय लेने का उनका अधिकार है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, हमें ये सब अच्छा नहीं लगता है, न हम इसे बर्दाश्त करते हैं। हम बिहार की जनता के लिए काम कर रहे हैं, जनता के सुख–दुख में हम भाग ले रहे हैं, जनता के मुद्दे को उठा रहे है। हम नेता विरोधी दल हैं। जहां तक मेरे बड़े भाई की बात है, राजनीतिक और निजी जीवन अलग होता है। निजी जीवन के निर्णय लेने का उनका अधिकार है। राष्ट्रीय अध्यक्ष दल के नेता हैं, उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी भावनाएं स्पष्ट कर दी है। हम ऐसी चीजों को पसंद नहीं करते हैं। उधर, लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी तेज प्रताप को पार्टी से निष्कासित करने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जो परिवेश, परंपरा, परिवार और परवरिश की मर्यादा का ख्याल रखते हैं, उन पर कभी सवाल नहीं उठते हैं, जो अपना विवेक त्याग कर मर्यादित आचरण व परिवार की प्रतिष्ठा की सीमा को बारंबार लांघने की गलती, धृष्टता करते हैं, वो खुद को आलोचना का पात्र खुद ही बनाते हैं। हमारे लिए पापा देवतुल्य हैं, परिवार हमारा मंदिर एवं गौरव और पापा के अथक प्रयासों–संघर्षों से खड़ी की गई पार्टी व सामाजिक न्याय की अवधारणा हमारी पूजा, इन तीनों की प्रतिष्ठा पर किसी की वजह से कोई आंच आए, ये हमें कदापि स्वीकार्य नहीं। इससे पहले राजद प्रमुख लालू यादव ने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ष्निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है।

देश से प्रेम करने वाला शख्स कभी भी विदेश मंत्री को गद्दार नहीं कहेगा – गिरिराज

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर स्थित सीएसआईआर–हिमालय जैव संपदा एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी) में बायोचार और खादवर्धक उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने उत्पादन इकाई का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित छात्रों से संवाद भी किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह इकाई किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी और जैविक खेती को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि सीएसआईआर –आईएचबीटी जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है और यह इकाई उसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण प्रयास है। मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि वह इस समय कांगड़ा जिले के दो दिवसीय दौरे पर हैं और इससे पहले उन्होंने कांगड़ा में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के गर्ल्स हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को गद्दार कहने वाले राहुल गांधी के बयान पर गिरिराज सिंह ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बेताज बादशाह की तरह हैं, जो बिना सोचे–समझे कुछ भी कह देते हैं।

जिस व्यक्ति को देश से सच्चा प्रेम होगा, वह अपने ही देश के विदेश मंत्री को गद्दार नहीं कहेगा। जब सुषमा स्वराज विदेश मंत्री थीं, तब राहुल गांधी ने उनकी बातों को दरकिनार कर चाइना एम्बेसी पर भरोसा जताया और उसी के माध्यम से एनजीओ चलाकर स्वयं को पालते रहे। ऐसे में वास्तव में गद्दारी किसने की, यह जनता अच्छी तरह समझती है। राहुल गांधी के इस बयान पर कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है और कोई देश भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ।

मनोहर लाल ने पहलगाम पीड़ितों पर भाजपा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के बयान को गलत बताया

करनाल, एजेंसी। पहलगाम आतंकवादी हमले में अपना सिंदूर खोने वाली महिलाओं पर एक बयान देकर भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा विवादों में फंस गए हैं। सांसद के बयान को लेकर कांग्रेस भाजपा पर हमलावर है। कांग्रेस ने पीएम मोदी से कार्रवाई की मांग की है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को उनके बयान पर खेद जताते हुए इसे पूरी तरह गलत ठहराया है। करनाल पहुंचे मनोहर लाल से जब मीडिया ने रामचंद्र जांगड़ा पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि यह उनकी निजी राय हो सकती है। उन्होंने स्पष्टीकरण भी जारी किया है। उन्होंने कहा कि उनका इरादा महिलाओं को भी बहादुर योद्धा बनने के लिए प्रोत्साहित करना था, लेकिन उनके शब्दों का गलत अर्थ निकाला गया। हमारी बहनों के बारे में ऐसी टिप्पणी करना उचित नहीं है, जिन्होंने अपने सिंदूर (पति) खो दिए हैं। यह गलत है, और जिन लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, उनके लिए जांगड़ा ने निश्चित रूप से अपनी ओर से खेद व्यक्त किया है, और मेरा भी मानना है कि अब इस मामले को खत्म कर देना चाहिए। भाजपा सांसद ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि पहलगाम में अपना सिंदूर खोने वाली महिलाओं–बेटियों में वीरांगनाओं सा जज्बा नहीं था। अगर उनमें जज्बा होता तो वे लड़तीं। अगर वे लड़तीं तो पहलगाम में इतने लोग नहीं मरते। साथ ही तीनों आतंकवादी भी मारे जाते।

भाजपा का गुजरात मॉडल–भ्रष्टाचार का मॉडल, मंत्री के बेटों ने किया 71 करोड़ का घोटाला – सिसोदिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा जिस गुजरात मॉडल की देश भर में ढोल पीटती है, दरअसल वह भ्रष्टाचार का मॉडल है। इस मॉडल में भाजपा के लोग और मंत्री करोड़ों का भ्रष्टाचार कर लेते हैं, लेकिन उन पर कोई एक्शन नहीं होता है। ऐसे ही गुजरात में हुए एक महाघोटाले पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पंचायती राज मंत्री के बेटों ने कंपनियां बना कर दाहोद में मनरेगा का काम लिया, लेकिन काम नहीं किया और 71 करोड़ रुपए हड़प लिया। अब वे पुलिस की गिरफ्त में हैं, लेकिन भाजपा ने अपने मंत्री का न इस्तीफा लिया और न कोई कार्रवाई की। वहीं, अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में पंजाब की ष्आपष सरकार ने भ्रष्टाचार की जानकारी होते ही अपने विधायक को गिरफ्तार करा दिया। मनीष सिसोदिया ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि पंजाब में शुक्रवार को जब "आप" के एक विधायक ने जनता के साथ गड़बड़ की और भ्रष्टाचार किया, तो भगवंत मान की सरकार ने अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में तत्काल कार्रवाई की। "आप" की सरकार ने अपने ही विधायक के खिलाफ कार्रवाई में कोई कोताही नहीं बरती। यही अरविंद केजरीवाल की राजनीति है और यही भगवंत मान की सरकार का मंत्र रहा है। साथ ही दिल्ली में उनकी सरकार का भी यही उद्देश्य था कि भ्रष्टाचार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा।

संपादकीय

जलवायु संकट के सामाजिक–आर्थिक आयाम

जलवायु परिवर्तन पर चर्चा के केंद्र में न्याय है। तीसरी दुनिया के देशों ने लंबे समय से तर्क दिया है कि जो देश अमीर बन गए हैं और इस प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं, उनकी जिम्मेदारी है कि वे जलवायु परिवर्तन से प्रभावित लोगों की मदद करें, खासकर सबसे कमजोर देशों और समुदायों की, जिन्होंने अक्सर संकट में सबसे कम योगदान दिया है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में यह एकमात्र प्रकार का अन्याय नहीं है। अब शोध इस बात पर प्रकाश डाल रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को अक्सर अनदेखा किए जाने वाले सूक्ष्म–अन्यायों के कारण कैसे असंगत रूप से अनुभव किया जाता है। उदाहरण के लिए, हाल ही में एक भारतीय अध्ययन में पाया गया कि हीट वेव से मौतें – भारत में 2001 से 2019 के बीच लगभग 20,000 लोग अत्यधिक गर्मी से मर गए – जाति के आधार पर हुईंय अन्य समुदायों के लोगों की तुलना में हाशिए पर रहने वाले समुदायों से संबंधित लोगों की अधिक संख्या अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने के परिणामस्वरूप मर गई। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के डेटा से पता चलता है कि 2019 और 2022 के बीच, भारत भर में कम से कम 65 जिलों में, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के 75% श्रमिकों ने अपने काम के घंटों का 75: हिस्सा ऐसे व्यवसायों में बिताया जो श्रम प्रधान हैं, जैसे कि कृषि, निर्माण, खनन या नगरपालिका कार्य। गौरतलब है कि यह थर्मल अन्याय केवल बाहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है। लगातार राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणों से पता चला है कि हाशिए पर पड़े जाति समूहों के पास बढ़ती गर्मी से निपटने के लिए घर में पंखे, कूलर और एयर कंडीशनर की कम पहुँच है। महिलाओं के लिए स्थिति और भी खराब है क्योंकि उन्हें न केवल बाहर अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ता है, बल्कि प्रदूषणकारी ईंधन से खाना पकाने के कारण घरेलू वायु प्रदूषण का अतिरिक्त बोझ भी उठाना पड़ता है। जल संकट – जलवायु परिवर्तन की एक और अभिव्यक्ति – में लैंगिक आधार भी है। सबसे गरीब महिलाएँ – खेतिहर मजदूर या अन्य जो पीने के पानी के लिए सबसे लंबा रास्ता तय करती हैं – सबसे ज़्यादा प्रभावित होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि एक दूसरे से जुड़े भेदभाव तनाव और असमानताओं को और गहरा करेंगे। जल संकट के बढ़ने के साथ ही दलित और आदिवासी महिलाओं को उच्च जातियों द्वारा सामुदायिक कुओं तक पहुँचने से रोका जा सकता है। तमिलनाडु में बाढ़ और राहत कार्यों के प्रभाव पर एक तथ्य–खोज समिति ने यह भी पाया कि प्राकृतिक आपदा के दौरान राहत सामग्री तक पहुँच में जाति और धर्म का प्रभाव पड़ता है। प्राचीन पूर्वाग्रहों को खत्म करने में समय लगता है। यही कारण है कि नीति को जलवायु संकट के ऐसे सामाजिक–आर्थिक आयामों को ध्यान में रखना चाहिए। भारत के पास जलवायु परिवर्तन पर एक राष्ट्रीय कार्य योजना है और साथ ही अलग–अलग राज्यों के लिए अलग–अलग हीट एक्शन प्लान भी हैं। लेकिन क्या इन शमन टूल किट में उत्पीड़ित समुदायों की कमजोरियों को दर्ज किया जा रहा है? जाति, पंथ, लिंग और जलवायु के बीच के अंतरसंबंधों के प्रति नीति को संवेदनशील बनाने का तर्क सम्मोहक है। उदाहरण के लिए, नीतिगत परिवर्तनों की प्रभावकारिता की निगरानी के लिए जाति और लिंग के आधार पर गर्मी, प्रदूषण से होने वाली मौतों और बीमारियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया जा सकता है।

एक गुमराह दिग्गज की नीतिगत विकृतियां

आदित्य

विनिर्माण में अमेरिका की गिरावट अपरिहार्य नहीं थी – यह एक विकल्प था। 20वीं सदी के उत्तरार्ध में, नीति निर्माताओं ने औद्योगिक ताकत पर कम ब्याज दरों और वित्तीय सट्टेबाजी को प्राथमिकता दी। उधार को सस्ता और डॉलर को मजबूत रखकर, उन्होंने कारखानों, श्रमिक प्रशिक्षण या तकनीकी उन्नति के बजाय वॉल स्ट्रीट, उपभोक्ता ऋण और स्टॉक बायबैक में पूंजी लगाई। इस अल्पकालिक सोच ने अर्थव्यवस्था को खोखला कर दिया, जिससे पारंपरिक विनिर्माण को पुनर्जीवित करने का कोई भी प्रयास लगभग असंभव हो गया। अमेरिका का भविष्य अब डिजिटल अर्थव्यवस्था को अपनाने और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने में निहित है – ऐसे क्षेत्र जो आधुनिक वास्तविकताओं के लिए कहीं बेहतर अनुकूल हैं। अमेरिकी विऔद्योगीकरण की उत्पत्ति शीत युद्ध के युग के उत्तरार्ध में आम सहमति में निहित है, जिसने वित्तीय बाजार की जीवंतता को राष्ट्रीय आर्थिक ताकत के साथ जोड़ दिया। फेडरल रिजर्व की मजबूत–डॉलर नीतियों ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित किया और विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया, लेकिन उन्होंने अमेरिकी वस्तुओं को विदेशों में अप्रतिस्पर्धी बना दिया, जिससे सस्ते आयातों की बाढ़ आ गई। विनिर्माण को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। जबकि घरेलू बाजारों में सस्ते आयात की बाढ़ आ गई, जिससे कपड़ा से लेकर सेमीकंडक्टर तक के उद्योगों के लिए लाभ मार्जिन कम हो गया। साथ ही, क्लिंटन युग में वित्तीय विनियमन को अपनाया गया – जैसे कि 1999 में ग्लास–स्टीगल अधिनियम को निरस्त करना, जिसका उद्देश्य जमाकर्ताओं को वाणिज्यिक बैंकों के सट्टा निवेश के जोखिमों से बचाना था – जिससे निगमों को उपकरण अपग्रेड करने या श्रमिकों को प्रशिक्षित करने के बजाय स्टॉक बायबैक और विलय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। परिणाम बहुत भयानक थे। 1998 और 2010

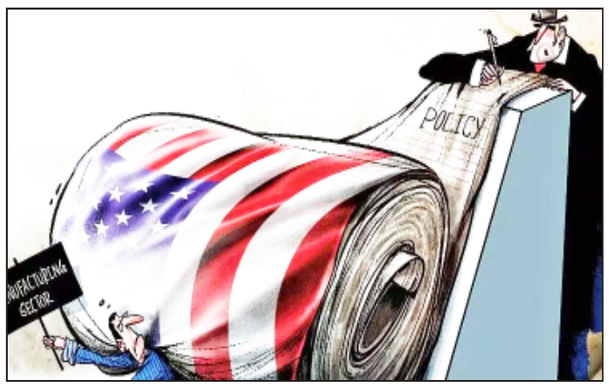

के बीच, अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र में एक तिहाई नौकरियां खत्म हो गईं – 5.8 मिलियन पद – क्योंकि फर्म कमजोर मुद्राओं और कम श्रम मध्यस्थता वाले क्षेत्राधिकारों में भाग गईं। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह ऑफशोरिंग बाहरी प्रतिस्पर्धा के जवाब में नहीं थी, बल्कि अंतर्जात नीति विफलताओं के लिए एक तर्कसंगत प्रतिक्रिया थी। वाशिंगटन द्वारा मौद्रिक नीति को फिर से निर्धारित करने या उन्नत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश करने से इनकार करने से उद्योग पूंजी और राजनीतिक समर्थन से वंचित रह गए। ऑक्टोपस मनुष्यों की जगह ले सकते हैं जर्मनी के विपरीत, जिसने छोटे निर्माताओं के लचीले नेटवर्क बनाए, अमेरिका ने बुनियादी ढांचे, शिक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं की उपेक्षा की। बाद के नेताओं ने टैरिफ और 'मेड इन अमेरिका' अभियान की कोशिश की, लेकिन ये मूल मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहेरू अप्रतिस्पर्धी उद्योग, बढ़ता कर्ज, पुराना बुनियादी ढांचा, कमजोर कर्मचारी प्रशिक्षण और कॉर्पोरेट एकाधिकार। कारखानों को पुनर्जीवित करने की कल्पना डिजिटल अर्थव्यवस्था ने वैश्विक शक्ति संरचनाओं को मौलिक रूप से बदल दिया है। भौतिक उत्पादन पर नहीं। कारखानों को वापस लाने की कोशिश करना फिलप फोन को पुनर्जीवित करने जैसा है। कोडक ने डिजिटल फोटोग्राफी का आविष्कार किया लेकिन फिल्म से चिपके रहे, जिससे दिवालियापन हो गया। ऊड के पास इलेक्ट्रिक वाहनों में अग्रणी होने का अवसर था लेकिन उसने टेस्ला को बाजार पर कब्जा करने दिया। भले ही अमेरिका फैक्टरियों के पुनर्निर्माण पर खरबों डॉलर खर्च करे, लेकिन वास्तविकता यह है कि स्वचालन ने पारंपरिक रोजगार के अवसरों को नाटकीय रूप से कम कर दिया है। रोबोट अब ज़्यादातर काम संभालते हैं, और बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए आवश्यक श्रम पिछले दशकों की तुलना में न्यूनतम है। इसके अलावा, चीन के औद्योगिक मॉडल की नकल करना अवास्तविक है। एक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में चीन के उदय में राज्य समर्थित निवेश, सस्ते श्रम और व्यापक बुनियादी ढाँचे के विकास के 40 साल लगे। इससे प्रतिस्पर्धा करने का मतलब होगा मजदूरी में कटौती, पर्यावरण संरक्षण को खत्म करना और वित्तीय घाटे के वर्षों को सहना – जिनमें से कोई भी व्यवहार्य रणनीति नहीं है। भविष्य– छोटे व्यवसाय राजनेता अक्सर अच्छी फैक्टरी नौकरियों को बहाल करने का वादा करते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि आधुनिक फैक्टरियाँ स्वचालन पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं, जिससे रोजगार के अवसर और वेतन वृद्धि सीमित हो जाती है। आज के वास्तविक आर्थिक इंजन छोटे और मध्यम आकार के उद्यम हैं, जो बड़े निगमों की तुलना में अधिक रोजगार, नवाचार और कर राजस्व उत्पन्न करते हैं। एसएमई चीन में सभी व्यवसायों का 99.9 प्रतिशत हिस्सा हैं, सभी निजी क्षेत्र के श्रमिकों में से लगभग आधे को रोजगार देते हैं।

दक्षिण एशिया के लिए शांति को मौका देने का नया सपना

विनोद

पिछले हफ्ते मैंने बुद्ध पूर्णिमा के बारे में सोचना शुरू किया। मुझे एहसास हुआ कि बुद्ध एक आदर्श शांतिवादी थे – ब्रह्मांड विज्ञान पर तीक्ष्ण और नागरिक शास्त्र पर कल्पनाशील। वे भारत और पाकिस्तान के बीच आदर्श शांतिदूत होते। इस विचार के साथ, मुझे शांति के अपने विचार के साथ संघर्ष करने के महत्व का एहसास हुआ, भले ही वह टुकड़ों में मौजूद हो।एक तरह से, आतंक नागरिकता को कमजोर करता है। नागरिकता का विचार – जो सत्ता और शासन के लिए एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण अपनाता है – कमजोर हो जाता है। मैंने महसूस किया कि आतंक विचलित करता है। यह विकृत करता है और विस्थापित करता है। और, एक तरह से, आतंक विस्थापित भी करता है। लेकिन सबसे पहले, आतंक मनुष्य का अवमूल्यन करता है। यह शरीर को एक सांख्यिकीय नश्वर में बदल देता है। शरीर अपनी पवित्रता खो देता है और, एक सांख्यिकीय बन जाने पर, यह तिरस्कार की वस्तु बन जाता है। शरीर का गायब होना आतंकवाद का पहला कार्य है। दूसरा, पहलगाम ने दिखाया कि आतंकवाद के प्रति प्रतिक्रियाएँ विकृत हो सकती हैं। आतंकवाद के लिए प्रतिक्रियाओं की एक मर्दाना ताकत की आवश्यकता होती है, जिनमें से प्रत्येक एक दूसरे से अधिक विनाशकारी होती है। इसे वर्णित करने के लिए शब्द मानवविज्ञानी ग्रेगरी बेटसन के श्स्किजोजेनेसिसश के विचार का है – एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें समाज या समूह संचार के बढ़ते, परस्पर सुदृढ़ पैटर्न के कारण बढ़ते विचलन और विघटन का अनुभव करता है – जो हिंसा में निरंतर वृद्धि की ओर ले जाता है। इससे शांति की मुक्ति की कोई संभावना नहीं रह जाती। भय और तर्कहीनता के बीच, युद्ध एक तात्कालिक संभावना बन जाता है, और पहलगाम इसका एक उदाहरण था। भारत की प्रतिक्रिया की स्पष्टता ने प्रतिशोध की संभावनाओं को और बढ़ा दिया।स्थिति, जैसा कि अब कोई देख सकता है, में एक घिनौने खेल के तत्व हैं। डोनाल्ड ट्रम्प भ्रम और संभावना दोनों को बढ़ाता है। एक स्तर पर, वह बातचीत की संभावना बनाने की कोशिश करता है। बातचीत केवल किसी बड़े प्रलोभन के लिए आतंक का व्यापार करने की धमकियों या प्रोत्साहनों की महामारी बन जाती है। बातचीत की पूरी प्रक्रिया चालाकीपूर्ण है। युद्ध में विराम को लेकर ट्रम्प भले ही विजयी दिख रहे हों, लेकिन निरंतर टूटन की संभावना का सामना करना पड़ रहा है। शांति के लिए कोई पारिस्थितिकी तंत्र नहीं है – यही बात आज हमें परेशान करती है। ऑक्टोपस मनुष्यों की जगह ले सकते हैं पहलगाम के बाद के दौर में आज हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनमें से एक है शांति का अभाव। हमें शांति की एक नई भाषा की जरूरत है, जिसे प्रोत्साहन और बातचीत तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसकी कमी स्पष्ट है। नाराजगी के जोखिम के बावजूद, मैं शांति के लिए निम्नलिखित सुझाव देना चाहूंगा।सबसे पहले, भारतीय लोकतंत्र को यह सुनिश्चित करने के लिए खुद को फिर से स्थापित करना होगा कि उसके मॉडल में हमेशा शांति की चाहत बनी रहे। यहां, शांति एक निष्क्रिय अवधारणा नहीं है। यह विकल्पों, संभावनाओं का एक सपना है और हमें जिस स्वप्नलोक का आह्वान करना है, वह है दक्षिण एशिया के विचार को पुनर्जीवित करना। इसके लिए, भारत और पाकिस्तान को राष्ट्र–राज्य के रूप में नहीं देखा जा सकता। एक संभावना के रूप में राष्ट्र–राज्य शांति के साधन के रूप में खुद को समाप्त कर लेता है। दक्षिण एशिया में आम लोगों के बारे में एक व्यापक विचार की जरूरत है। दूसरी महत्वपूर्ण आवश्यकता स्मृति का विचार है। स्मृति ही वह महत्वपूर्ण उपवन है – वह कविता जो शांति को संभव बनाती है। मुझे लेडी इरविन कॉलेज में विभाजन पर व्याख्यान देना याद है। जैसे ही मैंने भाषण समाप्त किया, कॉलेज की प्रिंसिपल ने मुझे जल्दी से एक कमरे में ले जाकर कहा कि उनका परिवार लाहौर से है। उन्होंने उत्साहपूर्वक मुझे अपने कंप्यूटर पर एक हवेली की तस्वीर दिखाई। उन्होंने कहा, श्यह वह घर है जहाँ मेरी बहन और मैंने अपना बचपन बिताया।श आज भी, हम इस बात पर बहस करते हैं कि झूला बाईं ओर था या दाईं ओर।श यह दर्शाता है कि शांति के विचार को बनाए रखने के लिए स्मृति कैसे अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। एक साझा क्षेत्र और गोंद के रूप में स्मृति के बीच, संभावना के रूप में शांति की रूपरेखा अलग हो जाती है। तीसरा बिंदु जो मैं कहना चाहता हूँ वह यह है कि शांति निष्क्रिय नहीं हो सकती। इसके लिए नागरिक समाज की आविष्कारशीलता की आवश्यकता होती है। प्रयोगों और संभावनाओं के एक नए सेट की आवश्यकता होती है। संविधान और पाठ्यक्रम के बीच जहाँ एक दूसरे से जुड़ाव होता है, वहाँ सुझाव देने होते हैं। संविधान के निर्देशक सिद्धांतों को शांति की मौन कल्पना प्रदान करनी होगी। एक प्रवचन के रूप में, उन्हें नई शांति परियोजनाओं, नई संभावनाओं के लिए एक सतत संभावना बनना चाहिए। आशावाद, वास्तव में, भविष्य का यथार्थवाद बन जाता है।संविधान जिस पर जोर देता है, एक परिकल्पना को पाठ्यक्रम के रूप में तैयार किया जाना चाहिए। शांति को शिक्षण के कार्य में ही शामिल किया जाना चाहिए। यह आसान काम नहीं है, लेकिन सार्थक है।हमें यह समझना होगा कि शांति कमजोरी का कार्य नहीं है, बल्कि लचीलेपन का भविष्योन्मुखी कार्य है। यह कल्पना का कार्य है जो लोकतंत्र को जीवित और चंचल बनाए रखता है। मैं दोनों देशों के बीच आविष्कारशील परियोजनाओं की एक श्रृंखला का भी सुझाव देना चाहूंगा। नागरिक समाज को फिर से सक्रिय किया जाना चाहिए। नए तरह के मुठभेड़ों का आविष्कार किया जाना चाहिए। इस संदर्भ में, हमें इस्लामी कल्पना के ट्रस्टी के रूप में भारत पर जोर देना होगा, जो बहुलवादी इस्लाम का जीवंत उदाहरण है।

..... विविध .....

जून में छुट्टियां मनाने के लिए बजट फ्रेंडली जगह की है तलाश, ये स्थल हैं फुल पैसा वसूल

गर्मियों की छुट्टियों में जून का महीना घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। इस महीने में गर्मी भी चरम पर होती है, साथ ही परिवार के साथ जा रहे हैं तो बच्चों की छुट्टियां भी हो जाती हैं। लोग गर्मी में घूमने तो जाना चाहते हैं लेकिन बजट बिगड़ने के डर से प्लान नहीं बना पाते। लेकिन एक बजट फ्रेंडली जगह की तलाश आपकी इस समस्या को भी हल कर सकती है। अगर आप बजट में एक शानदार ट्रिप की तलाश में हैं तो भारत में कई ऐसे गंतव्य हैं, जो न सिर्फ खूबसूरत हैं बल्कि जेब पर भी भारी नहीं पड़ते। बजट ट्रैवल का मजा लेना मुश्किल नहीं, बस सही जगह और प्लानिंग की जरूरत है। यहां जून में घूमने के लिए कुछ शानदार और बजट–फ्रेंडली जगहें बताई जा रही हैं, जो आपकी छुट्टियों को यादगार बना देंगी।

कसौल, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कई शानदार हिल स्टेशनों में एक शांत और सुंदर पर्यटन स्थल कसौल है। कसौल में आप पैराग्लाइडिंग, ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। सुकून भरी छुट्टी और ठंडक महसूस करने के लिए कसौल बेहतरीन विकल्प है। यहां पांच से आठ हजार रुपये में तीन से चार दिन की ट्रिप का लुत्फ उठा सकते हैं। कसौल पहुंचकर आप मलाना गांव, तोष गांव और पार्वती नदी का किनारा देखने जा सकते हैं।

माउंट आबू

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू को घूमने के लिए जून का महीना बेहतर मौका देता है। राजस्थान की गर्म रेतीली जमीन पर ठंडी वादियों और झीलों का आनंद उठाने के लिए माउंट आबू आ सकते हैं। परिवार या दोस्तों संग आप छह हजार से नौ हजार रुपये में माउंट आबू घूमने जा सकते हैं। माउंट आबू में आप नक्की लेक, गुरु शिखर, दिलवाड़ा जैन मंदिर देखने जा सकते हैं।

धर्मशाला–मैक्लोडगंज

हिमाचल प्रदेश का धर्मशाला और मैक्लोडगंज बजट फ्रेंडली हिल स्टेशन है। यहां की तिब्बती संस्कृति, बर्फ से ढके पहाड़ और शांति पर्यटकों को आकर्षित करती है। यहां आप भागसू झरना, नामग्याल मठ, त्रियुंड ट्रेक की सैर करने जा सकते हैं। पांच हजार से आठ हजार रुपये में धर्मशाला और मैक्लोडगंज का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया जा सकता है।

ऋषिकेश, उत्तराखंड

उत्तराखंड का ऋषिकेश पर्यटकों के लिए कम पैसों में घूमने की शानदार जगह है। योग, रिवर राफ्टिंग और सस्ते आश्रमों का अनुभव लेने के लिए पर्यटक यहां पहुंच सकते हैं। यहां आप लक्ष्मण झूला और गंगा आरती देने जा सकते हैं।

आलू–प्याज छोड़िए, इस रेसिपी से बनाएं लजीज टमाटर के पकोड़े

भारत में देसी स्नैक्स की बात की जाए तो पकौंडे और समोसे सबसे पहले सूची में आते हैं। पकौड़े की भी कई वैरायटी होती हैं जो हर मौसम में स्वाद के साथ खाए जाते हैं। इसमें आलू के पकौड़े, प्याज के पकौड़े, पनीर के पकौड़े और ब्रेड पकौड़ा समेत कई तरह के पकौड़ों की लिस्ट बताई जा सकती है। लेकिन क्या आपने कभी टमाटर के पकौड़े खाएं हैं? अगर आप हर बार एक ही तरह के आलू–प्याज के पकौड़े खाकर बोर हो चुके हैं तो इस बार टमाटर के खट्टे–मीठे, चटपटे और कुरकुरे पकौड़े ट्राई कर सकते हैं। टमाटर के पकौड़े बनाना आसान है, साथ ही झटपट तैयार हो जाते हैं और इसका स्वाद भी बेहद खास होता है। आइए जानते हैं घर पर टमाटर के क्रिस्पी लजीज पकौड़े कैसे बनाए जा सकते हैं।

टमाटर के पकौड़े बनाने की सामग्री

दो मीडियम आकार के टमाटर
एक कप बेसन
दो बड़े चम्मच चावल का आटा
बारीक कटी हरी मिर्च
आधा चम्मच अजवाइन
आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
चुटकीभर हल्दी
एक छोटा चम्मच धनिया पाउडर
नमक
पानी
तलने के लिए तेल

टमाटर के पकौड़े बनाने की विधि

स्टेप 1– टमाटर के पकौड़े बनाने के लिए टमाटर को गोल स्लाइस में काट लें। ध्यान रखें कि टमाटर के स्लाइस बहुत पतले न हों।

स्टेप 2– अब एक कटोरे में बेसन, क्रिस्पी करने के लिए चावल का आटा, सभी मसाले, हरी मिर्च, अजवाइन आदि सभी कुछ डालकर अच्छे से मिला लें।

स्टेप 3– इस मिश्रण में थोड़ा–थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा बैटर तैयार कर लें।

स्टेप 4– अब एक बड़ी कढ़ाई में तेल गर्म करें।

स्टेप 5– टमाटर के स्लाइस को बैटर में डुबोकर गर्म तेल में डालें।

स्टेप 6– मीडियम आंच पर टमाटर के पकौड़े को सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें।

स्टेप 7– जब पकौड़ें अच्छे से तल जाएं तो उन्हें नैपकिन पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल हट जाए।

टमाटर के क्रिस्पी पकौड़े तैयार है। इसे हरी चटनी, मीठी चटनी या सॉस के साथ परोसें।

कोई 500 तो कोई 250 साल, ये हैं भारत के सबसे पुराने वटवृक्ष

अब वट सावित्री की पूजा की जाएगी। इस पर्व पर सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना के साथ वट सावित्री व्रत करती हैं। इस दौरान वह वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। कच्चे धागा या सूत बांधकर बरगद के पेड़ की परिक्रमा करती हैं। मान्यता है कि बरगद के पेड़ पर ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों भगवान का वास होता है। इसलिए इसकी पूजा करने से त्रिदेव का आशीर्वाद मिलता है। बरगद का पेड़ भारत में सिर्फ एक वृक्ष नहीं बल्कि आस्था, आयुर्वेद और पर्यावरण का प्रतीक है। देशभर में कुछ ऐसे वटवृक्ष हैं जो सैकड़ों वर्षों से खड़े हैं और आज भी पूरी भव्यता के साथ मौजूद हैं। आइए जानते हैं भारत के कुछ सबसे पुराने और प्रसिद्ध वटवृक्षों के बारे में।

नैनीताल में 200 साल पुराना बरगद का पेड़

उत्तराखंड में नैनीताल के पास लगभग 200 साल पुराना बरगद का पेड़ है। किसी हिल स्टेशन पर इतने पुराने वटवृक्ष का होना दुर्लभ है। नैनीताल घूमने आने वाले लोग जब इस वटवृक्ष की मजबूत और लंबी भुजाओं को देखते हैं तो उन्हें इसकी ऐतिहासिकता और महत्व का आभास होता है।

गुजरात में वड तालुका वटवृक्ष

गुजरात के आनंद जिले के पास वड तालुका नाम का वटवृक्ष मौजूद है। इस वटवृक्ष की आयु लगभग 300 वर्ष बताई जाती है। इतना प्राचीन होने के कारण यह पेड़ स्थानीय समुदाय के लिए आध्यात्मिक केंद्र के रूप में माना जाता है। वट सावित्री पूजा पर यहां विशेष आयोजन होता है।

प्रयागराज में अक्षयवट

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में संगम तट पर प्राचीन बरगद का पेड़ है। यहां के वटवृक्ष को अक्षयवट कहा जाता है, जो अनादिकाल से मौजूद माना जाता है। मान्यता है कि इस पेड़ के दर्शन मात्र से ही पाप समाप्त हो जाते हैं।

पश्चिम बंगाल का ग्रेट बनयान ट्री

पश्चिम बंगाल में आचार्य जगदीन चंद्र बोस बोटैनिकल गार्डन में ग्रेट बनयान ट्री है। इस बरगद के पेड़ की आयु लगभग 250 साल बताई जाती है। यह पेड़ अपनी जड़ों के फैलाव के कारण किसी जंगल जैसा प्रतीत होता है। यह बरगद का पेड़ लगभग 3.5 एकड़ भूमि पर फैला हुआ। यह पेड़ इतना फैला है कि इसके अंदर सड़कों और रास्तों का जाल बना हुआ है।

आंध्र प्रदेश का थिमम्मा मरिमानु

आंध्र प्रदेश में बेहद प्राचीन बरगद का पेड़ है। यह पेड़ अनंतपुर जिले के गुटी मंडल में स्थित है। इस पेड़ की आयु 550 साल से अधिक बताई जाती है। कहते हैं कि यह दुनिया के सबसे बड़े वटवृक्षों में से एक है। यह एक ही पेड़ लगभग 5 एकड़ जमीन पर फैला है।

नलकूप में सो रहे रिटायर्ड अमीन की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जमीन के लिए हुये खूनी खेल मे तारुन थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत बारा में नलकूप पर सो रहे रिटायर्ड अमीन की शनिवार की रात धारदार हथियार से गला। घटना से मृतक परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जनता के आक्रोश का शिकार होने से बचने के लिए पुलिस ने आनन फानन मे घटना स्थल से शव उठवाकर थाने लेकर चली गयी वहां पर लिखापढी कराने के बाद पुलिस ने शव को पोस्मार्टम को भेज दिया है।बताया गया कि गांव निवासी रिटायर्ड अमीन कर्मराज यादव पुत्र दूधनाथ यादव उम्र करीब 65 वर्ष दो सगे भाई थे। छोटे भाई बंशराज यादव की भी मृत्यु हो चुकी है।बंशराज के भी एक लड़का था जिसका नाम राम धीरज उर्फ चौतू था द्य राम धीरज से कर्मराज से उनकी करीब 7 दृ 8 बीघा जमीन का वरासत या बैनामा अमीन कर्मराज यादव ने करा लिया था द्य राम धीरज कि करीब 5 साल पहले मौत हो चुकी है। बताया गया कि राम धीरज के साथ कृष्णा वती नामक एक महिला उनके साथ बतौर पत्नी के रूप मे रहती थी द्य जिसके दीपक व अरविन्द नामक दो बेटे है। अमीन का कहना था कि दोनों बेटे राम धीरज के नहीं है और न ही उनकी शादी हुई थी इसी बात को लेकर दोनों पक्षो मे विवाद चल रहा था। विवादित सारी जमीन कर्मराज के कब्जे मे थी। फसल व नलकूप की देखभाल करने को अमीन जाकर वही सोते थे।परिजन उनका खाना नाश्ता आदि नलकूप पर पहुँचा देते थे। शनिवार की रात वह नलकूप के बाहर सो रहे थे। जिनकी रात में धारदार हथियार से अज्ञात लोगो ने गला रेतकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी रविवार को सुबह शौच के लिये गये एक नाबालिग बच्चे से हुई। उन्हें लहूलुहान देखकर वह भागकर गांव आया और गांव के एक व्यक्ति से बताया। वह नलकूप पर जाकर उनके लहूलुहान शव को देखकर सूचना परिजनों को दिया। रोते बिलखते परिजन सहित सैकड़ों ग्रामीण नलकूप पर पहुँच कर घटना की जानकारी पुलिस को दी।सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी निरीक्षक सन्दीप त्रिपाठी मयफोर्स के घटनास्थल पर पहुँचकर जांच पड़ताल पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर थाने चले गये वहां पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए शव भेज दिया। निर्मम हत्या को लेकर मृतक के बेटे दिनेश यादव ने पट्टीदार अरविन्द कुमार व ,दीपक पुत्रगण राम धीरज तथा उनकी माँ कृष्णावती सहित साजिशकर्ता गांव के राजकुमार पुत्र शिवलाल के खिलाफ हत्या किये जाने की नामजद तहरीर पुलिस को दी है। पीड़ित का आरोप है कि पुरानी रंजिश में उनके पिता की हत्या की गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुरानी रंजिश में हत्या की गई है। तहरीर मिली है मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली आने वाली चार फ्लाइट्स वाराणसी डायवर्ट

वाराणसी, संवाददाता। खराब मौसम और ईंधन की कमी के कारण शनिवार देर रात दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर सकीं चार विमान को वाराणसी एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। इन विमानों में सैकड़ों यात्री सवार थे, जिन्हें कई घंटे की असुविधा का सामना करना पड़ा। इंडिगो की विमान संख्या 6E 1464, जो मुंबई से दिल्ली जा रही थी, शनिवार रात 11 बजे मुंबई एयरपोर्ट से रवाना हुई थी और दिल्ली एयरपोर्ट पर रात 1:45 बजे लैंडिंग होनी थी। लेकिन खराब मौसम और ईंधन की कमी के कारण इसे वाराणसी डायवर्ट किया गया। एटीसी से अनुमति के बाद सुबह भोर में 3रू10 बजे सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। विमान में 200 से अधिक यात्री सवार थे। एक घंटे रुकने के बाद विमान ने सुबह 4:12 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भर सकी। वहीं, दुबई से दिल्ली आ रही विमान

6E 1464 को भी वाराणसी डायवर्ट किया गया।

यात्रियों को हुई फजीहत

यह फ्लाइट दुबई से रवाना हुई थी, लेकिन दिल्ली में मौसम खराब होने के कारण लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी।

अंततः सुबह 3:15 बजे यह वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरी। इसके अलावा कोझिकोड (केरल) और पुणे से दिल्ली आने वाली दो अन्य विमानों को भी वाराणसी एयरपोर्ट पर उतारा गया। वाराणसी में अचानक चार विमानों की लैंडिंग से एयरपोर्ट पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया और यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। एयरलाइंस और एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से यात्रियों को जल्द से जल्द सुविधाओं को मुहैया कराने का प्रयास किया गया।

बुझ गया घर का चिराग, शराब का ज्यादा सेवन पड़ा भारी

आजमगढ़, संवाददाता। आजमगढ़ के अतरौलिया थाना क्षेत्र के धनसिंहपुर बेनी गौरा स्थित साईं ईंट उद्योग पर कार्य करने वाले एक मजदूर का शव शुक्रवार की रात मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच पड़ताल में जुट गई। बरेली जनपद के पहाड़पुर खेड़ा, अटौरा खुर्द निवासी पंचम लोधी (38) जो विगत दो वर्ष से भट्टे पर कार्य करता था। हाल ही फरवरी माह में भट्टे पर कार्य करने के लिए आया था। शुक्रवार के दिन भट्टे पर साप्ताहिक छुट्टी होने के कारण सभी मजदूर अपने–अपने सामानों की खरीदारी करने के लिए बाजार गए थे और सामान खरीद कर पुनः भट्टे पर वापस आ गए लेकिन पंचम काफी देर तक भट्टे पर नहीं पहुंचा। मजदूरों ने बताया कि पंचम अत्यधिक शराब का सेवन करने की वजह से धीरे–धीरे भट्टे की तरफ जा रहा था कि रात लगभग 8:30 बजे उसके साथ के मजदूरों को सूचना मिली कि बेलहवा बाबा धनसिंहपुर मार्ग पर पंचम गिरा पड़ा है।

परिजनों में मचा कोहराम

मजदूरों ने इसकी सूचना भट्ठा मालिक नीरज सिंह को दी और लोगों के सहयोग से उसे नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रानीपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भट्ठा मालिक ने रात्रि में ही इसकी सूचना परिजनों को दे दी। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुट गई। मृतक के तीन बेटे व दो बेटियां हैं। वह अपने मां–बाप की इकलौती संतान था। पत्नी ममता का रो–रो कर बुरा हाल है। भट्ठा मालिक नीरज ने बताया कि बीती शाम हम लोग कहीं निमंत्रण में गए थे कि इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई थी कि पंचम लोधी सड़क पर गिरा पड़ा है। हम लोग तत्काल वहां पहुंचे और पंचम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रानीपुर लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दौरान परिजनों को भी सूचना दे दी गई है तथा परिजन और रिश्तेदार भी पहुंच गए हैं। मृतक फरवरी माह में भट्ठा पर कार्य के लिए आया था और लोगों के मना करने पर भी अत्यधिक शराब का सेवन करने लगा था। थानाध्यक्ष अतरौलिया अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि मृतक शराब पीने का आदी था। उसकी मौत कैसे हुई यह बताना मुश्किल है। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकता है।

दलित परिवार को पीटा, महिला के बाल पकड़कर घसीटा, अब छह लोगों के खिलाफ एफआईआर

भदोही, संवाददाता। थाना क्षेत्र के अईनछ गांव में छह लोगों पर मारपीट और एससीएसटी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोप है कि आरोपियों ने एक दलित किसान और उसकी पत्नी को खेत में मवेशियों के घुसने पर आपत्ति जताने पर बेरहमी से पीटा। गांव निवासी दीपक कुमार पासी ने बताया कि वह एक भूमिहीन दलित किसान हैं। वह किसी और के खेत को अधिया पर लेकर उड़द की फसल उगा रहे थे। आरोप लगाया कि उनके खेत में गांव के ही राजाराम यादव के मवेशी घुस आए और फसल चरने लगे। इस पर उन्होंने विरोध जताया तो राजाराम यादव भड़क गया और दीपक को जातिसूचक गालियां देने लगा।

पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने दिलाजीत यादव, अरविंद यादव, राजेंद्र यादव, पार्वती देवी और तारा देवी के साथ मिलकर दीपक और उसके परिवार को मारा पीटा। दबंगों ने लोहे की छड़ो से पिटाई की। यह भी आरोप लगाया कि दीपक की पत्नी सुमित्रा को बालों से पकड़कर खेत में घसीटा, उसकी पिटाई की और कपड़े तक फाड़ डाले।

एसपी के आदेश पर दर्ज हुआ मामला

मारपीट में दीपक और सुमित्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक सदस्य के पसली की हड्डी तोड़ देने का भी आरोप है। वहीं, परिवार के अन्य चार सदस्यों को भी मामूली चोटें आईं हैं। मामले में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने राजाराम यादव समेत छह लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। थानाध्यक्ष रमाकांत यादव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

कोविड में लगे थे 16 ऑक्सीजन प्लांट, अब संचालन के लिए टेक्नीशियन तक नहीं

वाराणसी, संवाददाता। देश में कोरोना संक्रमण एक बार फिर से बढ़ता हुआ दिखने से सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट रहने को कहा है। विभाग की ओर से भी सभी तरह की तैयारियां पुख्ता होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन अमर उजाला की पड़ताल में हकीकत कुछ और मिली। 16 ऑक्सीजन प्लांट हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले स्थायी टेक्नीशियन नहीं हैं। यहां चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के भरोसे ही काम चल रहा है। इस स्थिति में जिले में केस बढ़ने पर संकट बढ़ सकता है। कोरोना संक्रमित का ऑक्सीजन लेवल कम होने जैसी समस्या रहती है। संक्रमित को ऑक्सीजन की सुविधा मिले, इसके लिए कोरोना काल में सीएसआर फंड से बीएचयू अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर के साथ ही मंडलीय अस्पताल, महिला अस्पताल कबीरचौरा, शास्त्री अस्पताल रामनगर, जिला अस्पताल और जिले की सीएचसी पर ऑक्सीजन प्लांट लगवाए गए थे। पाइप लाइन से बेड तक ऑक्सीजन पहुंच गया है, लेकिन इसके नियमित संचालन की व्यवस्था अब तक नहीं हो पाई है। 2022 में कोरोना वायरस की लहर के दौरान जिले में खास तैयारियां की गईं थीं। बीएचयू, जिला अस्पताल, मंडलीय, शास्त्री अस्पताल रामनगर और 50 से अधिक निजी अस्पतालों को मिलाकर कोरोना के मरीजों के लिए करीब 3500 बेड रिजर्व कराए गए थे। इसमें 750 बेड आईसीयू और वेंटिलेटर वाले थे।

काशी में रोज आते हैं करीब 2 लाख लोग

वाराणसी की आबादी इस समय करीब 42 लाख है। जबकि जिला प्रशासन के अनुसार बसों, ट्रेनों, फ्लाइट और निजी साधनों से रोज करीब 2 लाख लोग आते हैं। कोविड के समय जिले की सीमाएं सील थीं।

एयरपोर्ट से लेकर स्टेशन तक स्क्रीनिंग की तैयारी

कोरोना के केस देश में बढ़ने के बाद स्वास्थ्य महकमा अलर्ट पर है। सीएमओ डॉ. संदीप चौधरी ने बताया कि कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर सभी संसाधन हैं। जिला अस्पताल, मंडलीय अस्पताल, शास्त्री अस्पताल से लेकर बीएचयू तक जरूरत पड़ने पर अलग वार्ड बनाया जाएगा। शासन के निर्देश पर एयरपोर्ट से लेकर स्टेशन तक स्क्रीनिंग करने संबंधी तैयारी भी पूरी है। जहां तक ऑक्सीजन प्लांट के चलाए जाने के लिए टेक्नीशियन की तैनाती की बात है।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी - पारिवारिक अदालतें नहीं मान रहीं सुप्रीम आदेश

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तारीख पर तारीख में उलझी भरण–पोषण की कानूनी लड़ाई पर चिंता जताई है। कहा कि पारिवारिक अदालतों की सुस्ती सुप्रीम आदेशों की अवहेलना है। अगर संविधान की शपथ लेकर बैठे न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानेंगे तो न्याय व्यवस्था कैसे बचेगी? इससे पीड़ित महिलाओं का गरिमामयी जीवन प्रभावित हो रहा है। इस तल्ख टिप्पणी संग न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की अदालत ने औरैया के याची पति की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। साथ ही मुख्य न्यायाधीश से पारिवारिक अदालतों की लेटलतीफी का संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। कोर्ट ने कहा, 'यह समझ से परे है कि प्रशिक्षित न्यायिक अधिकारी सुप्रीम कोर्ट जैसे सांविधानिक न्यायालय के आदेशों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं। न्यायिक निर्देश कोई सलाह नहीं, बल्कि बाध्यकारी आदेश होते हैं।'

एक जज पर 1,500 से 2,000 मुकदमों का बोझ

इससे पहले कोर्ट ने प्रदेश के सभी परिवार न्यायालयों में लंबित मुकदमों की जानकारी तलब की थी। कोर्ट ने पाया कि प्रयागराज, आगरा और महराजगंज जैसे जिलों में 1,500 से 2,000 तक मुकदमे एक–एक जज के पास लंबित हैं। 23 मई 2024 तक 74 में से केवल 48 अदालतों ने अनुपालन रिपोर्ट सौंपी, जिसमें से कई ने सिर्फ औपचारिक हलफनामे पेश किए। सुनवाई को बार–बार टालना 'प्रक्रियात्मक कुप्रबंधन' ही नहीं, बल्कि न्याय देने से इन्कार करने के बराबर है।

अदालतें नहीं मान रहीं सुप्रीम आदेश

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से रजनीश बनाम नेहा के फैसलों का जिक्र कर कहा कि भरण–पोषण के मामले में पति–पत्नी की आय, संपत्ति और दायित्व का हलफनामा लेकर ही गुजारा–भत्ता तय किया जाना चाहिए। लेकिन, प्रदेश की अदालतें न इस प्रक्रिया का पालन कर रही हैं और न ही जिम्मेदारी निभा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

लगातार दूसरे दिन भी पुलिस संग पशु तस्करों की मुठभेड़, एक घायल– गिरफ्तार

गोरखपुर, संवाददाता। शाहपुर पुलिस की शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी पशु तस्करों से मुठभेड़ हुई। पुलिस ने एक पशु तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पशु तस्करी में वांछित अनूप यादव, हरसेवपुर नं0– 2 टोला दहला थाना गुलरिहा को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद कर जब्त कर लिया। शाहपुर इलाके में शनिवार की देर रात मुठभेड़ हुई। इसमें एक तस्कर को पैर में गोली लग गई। वह वहीं जमीन पर गिर गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ऐसे ही शुक्रवार की देर रात भी बिहार के वांछित पशु तस्कर को शाहपुर पुलिस ने पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था। इस दौरान भी एक अपराधी घायल हो गया था। पकड़े गए गए गौ तस्कर की पहचान बिहार पश्चिम चंपारण निवासी साहब अंसारी के रूप में हुई थी। इससे पहले, 29 अप्रैल को भी शाहपुर थाना क्षेत्र में पशु तस्करों ने जमकर उत्पात मचाया था। खजांची चौराहे के पास राहगीर की कार में जोरदार टक्कर मार दी थी, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो तस्करों ने ईंट व पत्थर से हमला कर दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस ने इस बार पहले से ही घेराबंदी कर दी थी। पशु तस्करों के गोरखपुर आने की सूचना पुलिस को मिल गई थी। इस दौरान टीम ने घेरकर इन्हें रोकने का प्रयास किया तो ये फायरिंग कर भागने लगे। इसी दौरान पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक पशु तस्कर के पैर में गोली लग गई।

दीवान के घर से 20 लाख की चोरी, ड्यूटी से लौटने पर टूटे मिले ताले

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के गोविंदनगर में बेखौफ चोर ने दिनदहाड़े इटावा में तैनात दीवान के घर का ताला तोड़ नकदी व जेवर समेत 20 लाख का माल चोरी कर लिया। घटना के दिन दीवान इटावा में ड्यूटी पर था जबकि पत्नी बच्चों को लेकर गर्मियों की छुट्टियां मनाने गांव में गई थीं। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस चोर की तलाश कर रही है। मूलरूप से औरैया के गुरुखंदा निवासी रघुराज सिंह गोविंदनगर स्थित कैनाल कालोनी की पहली मंजिल पर रहते हैं। इस कॉलोनी में अधिकतर पुलिसकर्मियों के परिवार रहते हैं। किदवईनगर थाने में तैनात रहे दीवान का छह माह पहले इटावा स्थित यूपीपीसीएल हाइडल में तबादला हो गया है। वह कानपुर से रोजाना इटावा ड्यूटी जाकर शाम को घर लौट आते हैं। रघुराज के अनुसार बीते दिनों पत्नी अंजलि बच्चों को लेकर औरैया गई है। इन दिनों वह घर पर अकेले थे। गुरुवार सुबह आठ बजे घर में ताला लगाकर वह ड्यूटी चले गए।

खंगाले जा रहे हैं सीसीटीवी

शाम को लौटे, तो देखा कि मेन गेट का ताला टूटा था और वह खुला पड़ा था। अंदर कमरों का सामान अस्त व्यस्त था और अलमारियों के लॉकर भी टूटे मिले। अलमारियों में रखे साढ़े दस हजार रुपये नकद और करीब 26 तोला सोना और 850 ग्राम चांदी गायब थी। गोविंदनगर इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। कुछ संदिग्ध युवक दिखे हैं। इनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

प्रेम प्रसंग के शक में पत्नी की नृशंस हत्या, पति ने ईंट–चाकू से मारा

कन्नौज, संवाददाता। कन्नौज जिले के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के कचाटीपुर गांव में प्रेम प्रसंग के शक में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। गांव निवासी रजनीकांत नामक युवक ने अपनी पत्नी बबली (30) की निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद शव को घर के पीछे लगे कूड़े के ढेर में छिपा दिया। हत्या का खुलासा तब हुआ, जब महिला के ससुर गन्नी ने शनिवार को बहू की गुमशुदगी की रिपोर्ट इंदरगढ़ थाने में दर्ज कराई। गुमशुदगी की जांच में जुटी पुलिस ने महिला के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली, तो पति रजनीकांत पर शक गहराया। पुलिस ने जब रजनीकांत से पूछताछ की, तो उसने शुक्रवार रात पत्नी की हत्या की बात कबूल ली। आरोपी ने बताया कि पत्नी पर किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम संबंध होने का शक था। इसी शक के चलते दोनों के बीच कहासुनी हुई और विवाद बढ़ गया।

शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

इस दौरान गुस्से में आकर उसने ईंट और चाकू से वार कर बबली की हत्या कर दी। इसके बाद शव को घर के पीछे कूड़े के ढेर में छिपा दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना पर पहुंचे मृतका के भाई शिवकुमार ने आरोपी रजनीकांत और उसके जीजा सुरेंद्र (निवासी बग्गी गांव, थाना ठठिया) के खिलाफ तहरीर दी है।

आरोपी से पूछताछ जारी

थानाध्यक्ष पारुल चौधरी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। हत्या के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। आरोपी से पूछताछ जारी है। गांव में हुई इस वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों में भय व आक्रोश का माहौल है। वहीं, ग्रामीणों के बीच तरह–तरह की चर्चाएं भीं होती रहीं।

नशे में धुत कार चालक ने छह साल की बच्ची समेत तीन को मारी टक्कर

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के किदवई नगर क्षेत्र में शनिवार देर रात नशे में धुत कार चालक ने छह वर्षीय बच्ची समेत तीन को टक्कर मार दी। यह हादसा बैंक ऑफ बड़ोदा के ठीक सामने हुआ। कार की रफ्तार इतनी थी कि इसने रिक्शे, वैगनआर को टक्कर मारते हुए शटर से जा भिड़ी। हादसे के बाद चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। किदवई नगर साइट नंबर वन में बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने राजेश गुप्ता के मकान में अंकित की नमकीन की दुकान है। शनिवार देर रात करीब 12रू30 बजे वहां काम करने वाले धर्मेंद्र दुकान का शटर बंद कर घर जा रहे थे। अचानक एक तेज रफ्तार कार आई और पाहले रिक्शे को टक्कर मारी फिर वहां खड़ी वैगनआर से टकराते हुए शटर बंद कर रहे धर्मेंद्र को रौंद दिया। टक्कर लगते ही कार के एयर बैग खुल गए।

कार चालक को हिरासत में लिया गया

लोगों ने पीटने के बाद पुलिस को सूचना दी। हादसे में रिक्शे में बैठी बच्ची और उसके परिजन के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। किदवई नगर इंस्पेक्टर धर्मेंद्र राम ने बताया कि कार चालक किदवई नगर वाई ब्लॉक निवासी मोहक कयाल को हिरासत में लिया गया है। वहीं घायलों को इलाज अस्पताल में चल रहा है। कुछ महीने पहले किदवई नगर एच ब्लॉक में तेज रफ्तार वैन ने स्कूटी सवार बाबूपुरवा निवासी राजकुमार निगम उनकी बेटी भावना को यशोदानगर जाते समय टक्कर मारी थी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी के बाद एसआरएन अस्पताल में डीएम तक ने लगाई दौड़

प्रयागराज, संवाददाता। एसआरएन अस्पताल की बदहाली पर हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी के बाद डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ शनिवार को स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय पहुंचे तो एमआरआई सेंटर पर उन्हें ताला लटका मिला। वह भीतर मशीन और अन्य उपकरणों का हाल नहीं देख सके। डीएम को डिप्टी एसआईसी ने बताया कि सेंटर के कर्मचारी घर जा चुके हैं। शाम करीब पांच बजे अस्पताल देखने पहुंचे डीएम ने एमआरआई सेंटर बंद होने पर नाराजगी जताते हुए उप प्रमुख अधीक्षक से कहा कि जब आप लोगों को पता था कि मैं निरीक्षण करने आऊंगा, तो फिर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को रोका क्यों नहीं। इसके बाद चिकित्सालय में साफ–सफाई, पेयजल, चिकित्सकों की समय से उपस्थिति, अस्पताल में आने वाले मरीजों के समुचित उपचार और समय से ओपीडी में चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने को लोकर उप प्रधानाचार्य को निर्देशित किया।

सबसे पहले पहुंचे ट्रॉमा सेंटर

शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे डीएम सबसे पहले ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। इस दौरान वहां इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रशांत ड्यूटी पर उपस्थित मिले। उन्हीं के साथ डॉ. दीपक की भी ड्यूटी थी, लेकिन वह अनुपस्थित थे। इस पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त की। निर्देशित किया कि ड्यूटी रूम के बाहर बोर्ड लगवाएं, जिस पर उस समय ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के शिफ्टवार नाम, मोबाइल नंबर व समय स्पष्ट रूप से लिखा हो। निरीक्षण के समय वहां पर एसी व सीसीटीवी क्रियाशील नहीं मिलने पर उन्हें तत्काल ठीक कराए जाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने एक्सरे, सिटी स्कैन, पैथोलॉजी में मशीनों की क्रियाशीलता के बारे में जानकारी ली और वहां पर तैनात कार्मिकों की ग्रूमिंग क्लास करवाने के लिए कहा। उन्होंने सभी जांच रिपोर्टों को समय से निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध कराने के लिए कहा। इसके बाद वार्ड में भर्ती मरीजों से मिलकर उनका हालचाल जाना और डॉक्टरों के आने और उनके व्यवहार के बारे में पूछा। मरीजों ने डॉक्टरों का व्यवहार ठीक बताया। डीएम ने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती एक साल की बच्ची, जिसे उसकी मां ने पुल से फेंक दिया गया था। उसकी हालत को देखते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी से वार्ता की। बालिका के उपचार के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कहा।

पुरानी बिल्डिंग की भी देखा हाल

इसके बाद डीएम ने पुरानी बिल्डिंग का निरीक्षण किया। यहां पुरुष वार्ड में भर्ती नैनी के फूलमंडी निवासी भैया लाल से उनका हाल जाना। पता चला कि कुछ दिन पहले ट्रेन की चपेट में आने से भैया लाल के दोनों पैर कट गए थे। इस पर डीएम ने डॉक्टरों से उनकी रिपोर्ट बनाकर आयुष्मान कार्ड से इलाज कराने के लिए कहा।

डीएम ने आगाह किया, अस्पताल परिसर में न दिखे निजी एंबुलेंस

एमआरआई सेंटर के निरीक्षण के बाद उसके पिछले दरवाजे से डीएम पोस्टमार्टम हाउस की तरफ जाने वाली रोड पर निकल गए। वहां कई निजी एंबुलेंस खड़ी दिखीं। इस पर उन्होंने एसआरएन चौकी इंचार्ज आनंद यादव को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि अब से अस्पताल परिसर के अंदर एक भी निजी एंबुलेंस दिखाई देगी तो ठीक नहीं होगा। कहा, अस्पताल परिसर में सरकारी एंबुलेंस के अलावा एक भी निजी एंबुलेंस नहीं दिखनी चाहिए।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट समेत चार अफसरों की टीम गठित कर दो घंटे में मांगी अस्पताल की रिपोर्ट

डीएम ने करीब डेढ़ घंटे तक अस्पताल का निरीक्षण करने के बाद साथ में मौजूद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट समेत चार अफसरों की टीम गठित कर उन्हें निर्देशित किया कि अस्पताल की 100 प्रतिशत निरीक्षण आख्या दो घंटे के भीतर प्रस्तुत करें। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पाई गईं कमियों को टाइमलाइन बनाकर शीघ्रता के साथ दूर करने के लिए एसआईसी को निर्देशित किया। कहा कि बाहर से दवा लिखे जाने की शिकायत मिलने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चिकित्सालय परिसर में इमरजेंसी वार्ड तक जाने वाली सड़क की मरम्मत और चौड़ीकरण के भी निर्देश दिए। इस मौके पर डीएम के साथ मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनिमेश वर्मा, सभी अपर नगर मजिस्ट्रेट व अस्पताल की तरफ से डॉ. मोहित जैन उपस्थित रहे।

एसीएम करेंगे एसआरएन की व्यवस्था की निगरानी

डीएम रविंद्र मांदड़ ने एसीएम को एसआरएन की व्यवस्था की निगरानी का जिम्मा सौंपा है। वह चिकित्सकों की ओपीडी की निगरानी करेंगे और प्रतिदिन ड्यूटीरत चिकित्सकों की सूची भी डीएम को उपलब्ध कराएंगे।

ई रिक्शा चालक को महिला दरोगा द्वारा थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल

अयोध्या। स्थानीय लोगो के मुताबिक थाना राम जन्मभूमि मे तैनात थप्पड़बाज महिला दरोगा शिखा सिंह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो में अयोध्या धाम में बैटरी रिक्शा चालक से मारपीट करती आरोपी महिला दारोगा नजर आ रही है।बैटरी रिक्शा चालक की कॉलर खींचकर थप्पड़ मारा।वही विरोध करने पर रिक्शा में बैठे यात्रियों के साथ भी बदसलूकी महिला दरोगा ने किया।वायरल वीडियो राम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी के समीप एक गली के कोने का बताया जा रहा है।वीडियो घटनास्थल पर मौजूद कार के अंदर से बनाया गया है। वायरल वीडियो से जहां एक और स्थानीय लोगों तथा अयोध्या धाम में आए श्रद्धालुओं में थप्पड़ बज महिला दरोगा शिखा सिंह के बर्ताव से आक्रोश दिखाई दे रहा था वहीं पुलिस का मानना है कि ई रिक्शा चालक को थप्पड़ मारने वाली दरोगा शिखा सिंह द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में जाने से ई रिक्शा चालक को रोक रही थी। इस संबंध में थाना अध्यक्ष राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि उक्त ई रिक्शा चालक प्रतिबंधित क्षेत्र मे जा रहा था। जिसको लेकर दरोगा शिखा सिंह ने रोका था। जिसको लेकर बहस हो गई।फिलहाल वायरल वीडियो की पुष्टि स्वतंत्र चेतना समाचार पत्र नही कर रहा है।

सहफसली खेती से किसानो को मिली तरक्की की राह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया है कि उद्यान विभाग में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत रफ्तार पान विकास योजना चल रही है। योजना के तहत पान की खेती करने वाले किसानो का अनुदान प्रदान किया जाता है। ग्राम कोल्हुआ विकासखण्ड महराजगंज के निवासी रामजनक पुत्र नन्हकू पिछले 02 साल से पान की खेती कर रहे है। उन्होंने बताया कि महीने में 12–15 हजार रूपये तक का

पान आसानी से बिक जाता हैं। पान में ही परवल व कुंदरू की सहफसली खेती कर लेते है। 01 बीघा की खेती में रू0 पचास हजार की लागत आती है और 1 से 1.5 लाख का मुनाफा हो जाता है। पान की खेती के लिए बरेजा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। बांस की लकडी से बना एक ढांचा तैयार किया जाता है। कृषक रामजनक ने पान के साथ–साथ सहफसली खेती से अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की है, और खेती किसानी करने में उद्यान विभाग द्वारा सहायता मिल रही है। उन्होंने उद्यान विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय–समय पर विभाग द्वारा तकनीकी मार्ग–दर्शन मिलता रहा है। जिससे पान के खेती करके 1 से 1.5 लाख रू0 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। पराम्परगत खेती की अपेक्षा पान की खेती करके अच्छा मुनाफा प्राप्त हुआ। यह योजना कृषक भाईयो के लिए अत्यन्त लाभाकारी साबित हो रही है। पहले 1000 वर्ग मी0 में अनुदान की सुविधा थी, जो लागत का 50 प्रतिशत यानि 50453 देय है। परन्तु अब छोटे कृषक भाई भी इसका लाभ ले सकते है। 250 वर्ग मी0 से 1000 वर्ग0 मी0 में भी अनुदान की सुविधा उपलब्ध है, अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में सर्म्पक कर सकतें है।

पीयू में स्टार यूनियन दाई–इचि लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने छात्रों को दिया सुनहरा अवसर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें स्टार यूनियन दाई–इचि लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने भाग लिया। यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षण और केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में इनक्यूबेशन सेंटर के मीटिंग हॉल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कंपनी के जोनल हेड (एजेंसी) बिश्वजीत मित्रा, रीजनल एचआर समीर सिंह और एचआर एग्जीक्यूटिव ऋतिक पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम

की शुरुआत प्री–प्लेसमेंट टॉक से हुई, जिसमें कंपनी प्रतिनिधियों ने छात्रों को कंपनी की कार्यप्रणाली, पद की जिम्मेदारियों और विकास की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों के सवालों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। इसके बाद सभी पात्र छात्रों का साक्षात्कार लिया गया। यह प्लेसमेंट ड्राइव विश्वविद्यालय के सभी संकायों के स्नातक और परास्नातक छात्रों के लिए खुली थी, जिससे विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को रोजगार का अवसर मिला। केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के सह समन्वयक सुशील कुमार ने कंपनी प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया और इस आयोजन को छात्रों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इस दौरान डॉ. विशाल यादव, श्याम त्रिपाठी, दिव्यांशु संजय, हरी ओम साहू, आयुष गुप्ता, साक्षी मिश्रा, सौम्य गुप्ता, आशु सिंह व किशन चौहान समेत कई छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। यह ड्राइव रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास साबित हुई।

डिजिटल पावर के साथ अपने एमएसएमई को बदलें

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। Indian Industries Association (IIA) ने ग्रंथवस द्वारा संचालित नेविगेट ग्रोथ के सहयोग से ष्डिजिटल पावर के साथ अपने एमएसएमई को बदलेंष पर एक परिवर्तनकारी एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस व्यापक कार्यक्रम ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) को डिजिटल परिवर्तन का लाभ उठाने, उत्पादकता, विकास और सफलता को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान और उपकरणों से लैस किया।

कार्यशाला की मुख्य विशेषताएं

– डिजिटल परिवर्तन रणनीतियाँ– व्यावसायिक संचालन को बढ़ाने, दक्षता में सुधार करने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाने पर विशेषज्ञ सत्र।

– AI और स्वचालनरू प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन समाधानों को लागू करने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि।

– केस स्टडी और सर्वोत्तम अभ्यास– एमएसएमई के वास्तविक जीवन के उदाहरण और सफलता की कहानियाँ जिन्होंने अपने संचालन में डिजिटल तकनीकों को सफलतापूर्वक एकीकृत किया है।

– इंटरैक्टिव सत्र– व्यावहारिक गतिविधियों और समूह चर्चाओं ने प्रतिभागियों को उनकी विशिष्ट व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप डिजिटल समाधानों का पता लगाने में सक्षम बनाया।

मुख्य्य बातें

– एमएसएमई विकास में डिजिटल परिवर्तन की भूमिका को समझना

– व्यवसाय संचालन में एआई और स्वचालन के अवसरों की पहचान करना

– उत्पादकता और प्रतिस्पध र्ात्मकता बढ़ाने के लिए डिजिटल समाधानों को लागू करने की रणनीतियाँ

– उद्योग विशेषज्ञों और साथियों के साथ नेटवर्किंग के अवसर

परिणाम

– एमएसएमई ने डिजिटल परिवर्तन और इसके अनुप्रयोगों की गहरी समझ हासिल की

– प्रतिभागियों ने एआई और स्वचालन समाधानों को लागू करने के लिए व्यावहारिक कौशल विकसित किए

– कार्यशाला ने एमएसएमई के लिए अनुभव साझा करने और डिजिटल अवसरों का पता लगाने के लिए एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा दिया

डिजिटल ज्ञान और उपकरणों के साथ एमएसएमई को सशक्त बनाकर, कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्र में विकास, नवाचार और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना था।

किसानो को लाभ कृषि स्नातको को रोजगार -

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर वित्तीय वर्ष 2025–26 में उ0प्र0सरकार द्वारा किसानो एवं कृषि स्नातको की उन्नति के लिये वन स्टाप शॉप योजना के अर्न्तगत प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर खुलने वाले इस केन्द्र पर जहॉ एक छत के नीचे किसानो को मृदा परीक्षण के आधार पर खाद, बीज, दवा मिलेगी वही किराये पर लघु कृषि यंत्र भी मुहैया करायी जायेगी। इस केन्द्र के माध्यम से सरकार किसानों को जहॉ लाभ दिलाना चाहती है वही कृषि स्नातको की तरक्की के विषय में भी सोच रही है। कृषि विभाग द्वारा प्रयोग किये जाने वाले वन स्टॉप शाप में किसानों को मृदा परीक्षण की सुविध ा मुहैया कराई जायेगी तथा उर्वरको के प्रयोग की संस्तुति की जायेगी। उच्च गुणवत्ता के बीज, उर्वरक, जैव उर्वरक, माइक्रोन्युट्रिएन्ट, वर्मी कम्पोस्ट, कीटनाशक रसायन तथा जैव कीटनाशक सहित समस्त कृषि निवेशो की आपूर्ति होगी। लघु कृषि यंत्रो को यहॉ किराये पर भी उपलब्ध ा कराया जायेगा, प्रसार सेवाओ में, तथा कृषि प्रक्षेत्र निर्देशन का भी कार्य होगा। वन स्टाप शॉप का मालिकाना हक कृषि स्नातको को ही मिलेगा। सरकार ने स्नातको के लिये कई सुविधा देने का भी ऐलान किया है। जनपद में वित्तीय वर्ष 2025–26 में कुल 19 वन स्टाप शाप (एग्रीजक्शन) केन्द्रो की स्थापना का लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

वन स्टाप शॉप के लिये अर्हता– वन स्टाप शॉप के लिये आवेदन करने वाले अभ्यर्थियो की अर्हता में अभ्यर्थी जौनपुर जिले का निवासी हो तथा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि स्नातकध्कृषि व्यवसाय प्रबंधन स्नातकध् स्नातक जो कृषि एवं सहबद्व विषयों यथा–उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध ा, पशु चिकित्सा, मुर्गी पालन एवं इस तरह की गतिविधियॉ, जो किसी राज्यध्केन्द्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यिलय से डिग्रीधारी हो, जो आई0सी0ए0आर0ध्यू0जी0सी0 द्वारा मान्यता प्राप्त हो, पात्र होगे। इसके अतिरिक्त अनुभव प्राप्त डिप्लोमाधारीध्कृषि विषय में इण्टरमीडिएट योग्य प्रार्थी पर भी विचार किया जायेगा, तथा अभ्यर्थी की आयु 40 वर्ष से अधिक न हो। अनुसूचित जाति, जनजाति एवं महिलाओ को आयु में अधिकतम 05 वर्ष की छूट अनुमन्य है, तथा जिनकी जन्म तिथि पहले होगी उनको वरीयता दी जायेगी।

योजना की लागत– वन स्टाप शॉप के लिये अभ्यर्थी को रू0 100000.00 मात्र स्वयं खर्च करने होगे तथा रू0 500000.00 मात्र बैंक से ऋण मिलेगा। इस प्रकार कुल योजना की लागत रू0 600000.00 मात्र होगी।

अनुदान की व्यवस्था– वन स्टाप शॉप हासिल करने वाले कृषि स्नातको को सरकार की ओर से खाद, बीज एवं कृषि रसायनों की बिक्री का लाइसेन्स की प्रतिपूर्ति अधि ाकतम रू0 5250.00 दिया जायेगा साथ ही बैंको से प्राप्त होने वाले रू0 500000.00 पर ब्याज पर अनुदान रू0 60000.00 तीन वर्षो के प्रस्तावित कार्य हेतु दिया जायेगा। चयन प्रक्रिया– लाभार्थियो का चयन जिलाधि ाकारी महोदय की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कमेटी के द्वारा किया जायेगा। वन स्टाप शॉप परिसर का किराया पर 50 प्रतिशत प्रतिमाह अधि ाकतम रू0 1000 प्रतिमाह की दर से 12 महीने का रू0 12000.00 अनुदान देय होगा। कृषि विभाग द्वारा चयनित कृषि स्नातको को व्यवसाय के निमित्त समेती रहमानखेड़ा, लखनऊध आर0से0टी0 के द्वारा कम से कम 13 दिन का प्रशिक्षण कराया जायेगा। चयन प्रक्रिया– लाभार्थियो का चयन जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कमेटी के द्वारा किया जायेगा। आवेदन–पत्र कार्यालय उप कृषि निदेशक कृषि भवन, जौनपुर में 25 जून 2025 तक किसी भी कार्य दिवस में जमा किया जा सकता है।

धारदार हथियार से मार कर पिता दो पुत्रों की अज्ञात बदमाशों ने की हत्या मचा हड़कंप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के नेवाडा गांव स्थित कचगांव अंडरपास के पास उस समय हड़कंप मच गया जब बीती रविवार देर रात बदमाशों ने एक पिता व उसके दो पुत्रों को मौत के घाट उतार दिया। सोमवार सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजवा दिया। उधर तीहरे हत्या काण्ड की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों व रिश्तेदारों ने पुलिस के सामने जमकर बवाल काटा और हाइवे जाम करने का प्रयास किया परन्तु मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझा बुझाकर शांत कराया दिया। उक्त तीहरे हत्याकांड कांड को लेकर तरह तरह की चर्चाएं हो रही है। उक्त थाना क्षेत्र के महमदपुर कांध इमलो निवासी लालजी जल निगम विभाग में ठेकेदारी करते है और जफराबाद थाना क्षेत्र के नेवादा

कचगांव अण्डर बाईपास के लालजी भईया इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रिकल्स के नाम से दुकान चलाते है। बताया जाता है कि लालजी रविवार को जौनपुर से अपना काम निपटाने के बाद घर न जाकर अपने उक्त दुकान पर चले आये और अपने दोनो बेटे यादवीर (35) व गुड्डू (25) के साथ रात में दुकान पर काम करने के बेटों संग वहीं सो गये। सोमवार सुबह लालजी व उनके दोनों बेटों यादवीर व गुड्डू की क्षत–विक्षत लाश पाये जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि हत्या करने वाले बदमाशों ने पिता व दोनों पुत्रों की हत्या करने के बाद वहां लगे सीसीटीवी के डीवीआर को उखाड़ ले गये, ताकि उनकी पहचान न हो सके। घटना की सूचना पर मौके पर मयफोर्स पहुंचे सीओ सिटी देवेश सिंह, थानाध्यक्ष लाइन बाजार सतीश सिंह, थानाध्यक्ष जफराबाद जय प्रकाश यादव आदि ने तुरंत तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया और शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु भारी पुलिस फोर्स लगा दी गई। घटना की जानकारी जब मृतकों के परिजनों व रिश्तेदारों को हुई तो वे भी मौके पर पहुंच गये। घटना के बाद पुलिस द्वारा बुलायी गई फोरेंसिक टीम को जांच में एक मोबाइल, लोहे की राड आदि मिला, जबकि परिजन मृतक की पत्नी ने हत्या का आरोप पूर्व बसपा जिलाध यक्ष पलटू राम नागर पर लगा रहे हैं।उनका कहना है कि लगभग 15 वर्ष पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था तभी उसने कहा था मैं इस बदला लूंगा उसने ही सभी को मारा है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने बताया कि पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय विवादों और दुश्मनी जैसे सभी एंगल पर काम कर रही है। डॉ कौस्तुभ ने बताया कि घटना बेहद गंभीर है और हत्यारे जल्द ही पकड़ लिए जाएंगे। चारों ओर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

श्रेयांशी को 30 लाख का पैकेज, विज्ञान संकाय गौरवान्वित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के विज्ञान संकाय अंतर्गत बायोकेमिस्ट्री विभाग की छात्रा श्रेयांशी साहू ने प्रतिष्ठित आकांक्षा हॉस्पिटल एंड आईवीएफ (आनंद हॉस्पिटल की यूनिट) में उच्च पैकेज पर चयनित होकर संस्थान को गौरवान्वित किया है। सत्र 2019–2021 की छात्रा श्रेयांशी को 30 लाख रुपये वार्षिक के पैकेज पर रिप्रॉडक्शन बायोलॉजी यूनिट में एम्ब्रियोलॉजिस्ट पद के लिए नियुक्त किया गया है। इस पद पर श्रेयांशी का प्रमुख कार्य इंटरसाइटोप्लाज्मिक स्पर्म इंजेक्शन (ICSI), स्पर्म विश्लेषण, श्रेष्ठ स्पर्म का चयन, एम्ब्रियो कल्चर, एम्ब्रियो का विकास एवं रखरखाव तथा आधुनिक आईवीएफ तकनीकों से अद्यतन रहना होगा। इस उपलब्धि पर संकाय में हर्ष का माहौल है। संकायाध्यक्ष प्रोफेसर राजेश शर्मा ने इसे श्रेयांशी की कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम बताया। बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि श्रेयांशी की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने श्रेयांशी को शुभकामनाएं देते हुए इसे विज्ञान संकाय में उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण और शिक्षकों के समर्पण का नतीजा बताया। इस अवसर पर माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. एस. पी. तिवारी, डॉ. संजीव कुमार मौर्य, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. श्वेता सोनम, डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ. ईषानी भारती सहित सभी शिक्षकों ने श्रेयांशी को बधाई दी।

'सुहागिन महिलाओं ने निर्जला उपवास रख पति की लंबी उम्र के लिए की वट वृक्ष की पूजा'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' ददरौल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वट सावित्री पूजा के लिये सुहागिन महिलाओं ने वट वृक्ष के नीचे पति की दीर्घायु के लिए पूजा अर्चना की। ग्राम पंचायत इटौरा में भी वट सावित्री पूजा के लिए सुहागिन महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 11 बजे से ही वट वृक्ष के नीचे सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु कामना को लेकर पूजा अर्चना व परिक्रमा की। मौली धागा बांधा और अपने पति की दीर्घायु की मंगल कामना की। सोमवार को सुबह से हुई अचानक बरसात के कारण महिलाओं को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।वहीं वट वृक्ष की पूजा अर्चना से पूर्व हुई बरसात के कारण तापमान में आई गिरावट से पड़ रही भीषण गर्मी से सुहागिन महिलाओं समेत लोगों ने काफी राहत की सांस ली। साथ ही अखंड सौभाग्य के प्रतीक वट सावित्री व्रत को लेकर सुहागिन महिलाओं में काफी उत्साह देखने को

मिला, वहीं वट वृक्ष के आसपास काफी जलभराव के कारण महिलाओं को गंदे पानी में उतरकर वट वृक्ष की पूजा अर्चना करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आपको बता दें कि प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ मास की अमावस्या की तिथि के दिन यह व्रत रखा जाता है,इस दिन सुहागिन महिलाएं वट वृक्ष के नीचे पूजा अर्चना करती हैं।सती सावित्री की प्रेरणा से सुहागिन महिलाएं वट सावित्री व्रत रखती हैं ताकि महिलाओं का सुहाग बना रहे। अपने देश में पेड़ों,नदियों और पहाड़ों की पूजा करना प्राचीन परंपरा रही है,वट सावित्री व्रत पूजा भी इसी के अंतर्गत आती है,जहाँ सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं।

अटाला मस्जिद मामले की एडीजे की अनुपस्थित के कारण नहीं हुई सुनवाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाही अटाला मस्जिद मामले में सोमवार को कोई सुनवाई नही हो पाई।एडीजे चतुर्थ कोर्ट में होने वाली सुनवाई की पत्रावलियां एडीजे कोर्ट पांच में स्थानांतरित कर दी गयी है,चूंकि आज एडीजे कोर्ट पंचम बैठी नही थी इसलिए कोई सुनवाई नही हो पाई।अगली सुनवाई की तारीख 10 जुलाई नियत किया गया है। दरअसल,हिन्दू पक्ष स्वराज वाहिनी की तरफ से अटाला मस्जिद को अटला देवी मंदिर होने का दावा किया गया है। स्वराज वाहिनी एसोसिएशन ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में दावा किया गया है कि जौनपुर की अटाला मस्जिद पूर्व में अटला देवी का मंदिर हुआ करता था। इसे तोड़ कर मंदिर स्थापित की गई है। इसमें हिन्दू पक्ष को पूजा की इजाजत दी जाए। मुश्लिम पक्ष बक्फ अटाला की तरफ से आपत्ति दाखिल करते हुए सिविल जज कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया गया था कि वादी स्वराज वाहिनी एसोसिएशन का दावा पोषणीय नही है जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद मुश्लिम पक्ष ने जिला जज कोर्ट में अपील किया,जिला जज कोर्ट ने पत्रावली एडीजे चतुर्थ कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया। इस मामले में बात करते हुए पी. एन.

मिश्रा हिन्दू पक्ष स्वराज वाहिनी एसोसिएशन ने बताया कि आज पत्रावली एडीजे चतुर्थ से पंचम को कोर्ट में पेश किया गया।लेकिन जज की अनुपस्थित में सुनवाई नहीं हो पाई है। यदि यहां से कोई राहत नहीं मिलता है तो हम इसके सर्वे के लिए हाईकोर्ट में जाएंगे। अगली सुनवाई की तारीख 10 जुलाई को नियत किया गया है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

भारत विकास परिषद एवं अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ के संयुक्त तत्वावध ाान में शहर के अवस्थी लॉन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ चिकित्सक डॉ जे.के. वर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर डॉ ए.पी. सिंह एवं डॉ अजय अस्थाना भी उपस्थित रहे। दीप प्रज्जवलन एवं गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ शिविर प्रारंभ हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने पंजीकरण कर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। शिविर में हृदय, यूरोलॉजी, हड्डी, फिजियोथेरेपी, फिजिशियन सहित विभिन्न विभागों के डॉक्टरों ने सेवाएं दीं। अपोलो हॉस्पिटल की डाइटीशियन रोशन आरा ने रोगियों को संतुलित आहार चार्ट प्रदान कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। भारत विकास परिषद के संरक्षक डॉ सुरेश अग्निहोत्री ने बताया कि परिषद समय–समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन करती रहती है। संरक्षक अतुल अग्रवाल ने कहा कि इस पहल से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है। शिविर में कुल 122 रोगियों को परामर्श एवं उपचार का लाभ मिला। आयोजन में डॉ प्रियेशकांत, डॉ एम एस आलम, डॉ धीरेन्द्र, डॉ सुमित शर्मा, अमित श्रीवास्तव ने सहयोग प्रदान किया। आर्थोपेडिक सर्जन डॉ देवर्षि गुप्ता ने मरीजों की हड्डी से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया

शिविर में प्रमुख रूप से परिषद अध्यक्ष अवध बिहारी मिश्र, गौरव सिंह भदौरिया, अनूप पुरी, श्रवण कुमार मिश्र राही, अशोक सिंह, राजेश तिवारी, श्यामजी गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, नृपेंद्र विक्रम सिंह, राजीव मोहन अवस्थी, सुनील सिंह, अमलेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह सिकरवार सहित परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।